

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में आज कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा का नवम् दीक्षांत समारोह सम्पन्न

लखनऊ : 29 जनवरी, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनन्दी बेन पटेल ने आज कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा के नवम् दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया तथा दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक छात्र/छात्राओं को पदक प्रदान किये। इससे पूर्व उन्होंने ग्रामीण महिला कौशल एवं उद्यमिता विकास केन्द्र का उद्घाटन फीता काटकर किया तथा महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। इस छात्रावास का निर्माण कार्य एक वर्ष में पूर्ण किया जायेगा।

दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए हुए राज्यपाल जी ने कहा कि आज जिन छात्र/छात्राओं को मेडल प्राप्त हुआ है, उनको एवं उनके माता-पिता को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि माता-पिता का बच्चों को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान रहता है, इसलिए बच्चे माता-पिता को कभी न भूले और हमेशा उनकी सेवा करें। उन्होंने कहा कि जिन छात्र/छात्राओं को आज मेडल नहीं मिला है वह सभी अपने जीवन के लिए इतना अच्छा कार्य करें कि, उनका कार्य ही मेडल के रूप में प्राप्त हो और उनका नाम रोशन हो सके।

उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक ढंग से उन्नतशील खेती करना सिखायें और किसान बेहतर किस्म के बीजों तथा जैविक खाद का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादकता को बेहतर मूल्य मिले, इस क्षेत्र में कार्य करने की आवश्यकता है। यहां के लोग पपीता, गुलाब, नीम, एलोवेरा उगायें तथा कम लागत से अन्य चीजें जैसे साबुन आदि प्रोडक्ट स्वयं तैयार करें तथा आत्मनिर्भर बनें। उन्होंने कहा कि बच्चों,

वृद्ध एवं गर्भवती महिलाओं के लिए लाभदायक एवं पौष्टिक आहार दें, जिससे छोटे बच्चे कुपोषण का शिकार न हो और गम्भीर बीमारियां न हो सकें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों को विश्वविद्यालय से जोड़कर उन्हें बेहतर बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे कि गरीब परिवारों के बच्चों का आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों के बीच में बैठकर कृषि के विषय में वैज्ञानिक जानकारी दें ताकि किसान कृषि कार्य वैज्ञानिक एवं उन्नतिशील तरीके से करके अपना उत्पादन बढ़ा सकें। उन्होंने कहा कि किसानों में परिवर्तन लाने में विद्यालय के बच्चों का बहुत बड़ा योगदान हो सकता है। उन्होंने पीएचडी कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक समस्याओं के विषयों में शोध करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय को निरन्तर प्रगतिशील रखने हेतु यहाँ शोध सहित अन्य कृषि सम्बन्धी उन्नतशील बीजों को तैयार करने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित तकनीकी एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को किसानों, महिलाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं तक अवश्य पहुंचाये, जिससे वह स्वावलम्बी एवं सशक्त हो सकें। इसी क्रम में उन्होंने स्वयं सहायता समूह की सखियों को लखपति एवं ड्रोन सक्षमता बढ़ाकर महिलाओं को सक्षम बनाने हेतु कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय कनवारा भाग-1 व 2 के बच्चों को फल, किताबें व बैग एवं पाठ्य समाग्री का वितरण किया। दीक्षांत कार्यक्रम में उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को छोटी साइकिल, कुर्सी, मेज, किताब, स्टेशनरी किट का वितरण आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को किया। इसके साथ ही उन्होंने जनपद बांदा के 101 आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु आंगनबाड़ी में सहायता किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों को छोटे-छोटे खिलौने व पठन-पाठन समाग्री के द्वारा बौद्धिक विकास बचपन से होगा और उनको आगे बेहतर

शिक्षा एवं स्वास्थ्य में मदद मिलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्यपाल जी द्वारा प्रदेश की लगभग नौ हजार आंगनवाड़ी केन्द्रों पर किट का वितरण किया जा चुका है।

कार्यक्रम में निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान केन्द्र लखनऊ डॉ० अजीत कुमार साशनी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी नागरिकों को खाद्यान उपलब्ध कराने के लिए 70 प्रतिशत खाद्यान का उत्पादन ज्यादा करना होगा और लोगों को पौष्टिक भोजन दिये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे विश्वविद्यालय से अर्जित ज्ञान एवं कौशल से देश के सीमान्त एवं मध्यमवर्गीय कृषकों को खेती के उन्नत तरीकों द्वारा जीवन स्तर को सुधारने हेतु कृषकों का मार्गदर्शन करें।

दीक्षांत समारोह में कुल 320 मेधावी छात्र/छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गयी, जिसमें कृषि संकाय, उद्यान, वानकी, सामुदायिक विज्ञान संकाय, पीएचडी कृषि एवं उद्यान संकाय के छात्र/छात्राओं को बीएससी, एमएससी व पीएचडी की उपाधियां प्रदान की गयीं, जिसमें कु०अंजली वर्मा को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, कु०आयुषी सिंह को कृषि क्षेत्र में वाइस चान्सलर गोल्ड मेडल, अभिषेक मिश्रा को उद्यान में स्वर्ण पदक, कु०ऋतिका श्रीवास्तव को वानिकी में स्वर्ण पदक, उद्यान में अभिषेक प्रताप को स्वर्ण पदक दिया गया। कर्ण गुप्ता में एग्रीकल्चर में सिल्वर मेडल, सूर्य प्रताप सिंह को वानिकी में रजत पदक, अभय प्रताप सिंह को रजत पदक, सत्येन्द्र कुमार को रजत पदक तथा ख्याती अग्रवाल, अरुण चौधरी, ऋचा रघुवंशी, अंजना, नेहा को रजत पदक प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो०नरेन्द्र प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय का प्रगति विवरण प्रस्तुत किया। ज्ञातव्य है कि विश्वविद्यालय में प्रथम बार छात्र/छात्राओं को सर्वोच्च चान्सलर पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट स्थान पाने वाले 40 छात्र/छात्रायें हैं, इनमें से 20 छात्र/छात्राओं को विभिन्न पदक दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा 87 शोध पत्र जारी किये गये हैं और कई एम. ओ.यू. शोध हेतु हस्ताक्षरित किये गये हैं।

कार्यक्रम में प्रदेश के मा0 जलशक्ति राज्यमंत्री श्री रामकेश निषाद, श्री कुलपति डॉ० नरेन्द्र प्रताप सिंह, आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा श्री बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी बांदा श्रीमती दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक श्री अंकुर अग्रवाल, कुलसचिव डॉ० एस के सिंह, सहित जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सुनील सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष भाजपा श्री संजय सिंह सहित अपर जिलाधिकारी वि०/रा० श्री राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री अमिताभ यादव, नगर मजिस्ट्रेट श्री विजय शंकर तिवारी, प्रबन्ध परिषद एवं विद्वत् परिषद के सम्मानित सदस्यगण, आमंत्रित अतिथिगण, आंगनबाडी कार्यकर्त्रियां, पत्रकार बन्धु, विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण, छात्र एवं छात्राएं, उपस्थित रहे।

डा० सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक,
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र- 8318116361

